चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	3-4-25	02	1-2

दैनिक भास्कर

हकृवि द्वारा विकसित गेहूं की उन्नत किस्में देश में लोकप्रिय: काम्बोज

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में गेहूं एवं जौ अनुभाग, आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग द्वारा किसानों की उपज बढ़ाने के लिए गेहूं एवं जौ कि उन्नत तकनीक विषय पर अनुसूचित जाति के किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि किसान नवीनतम तकनीकों एवं संसाधनों का उपयोग जरूर करें। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा गत वर्ष के दौरान विकसित की गई 1402 और 1270 देश में सर्वाधिक गेहूं का उत्पादन देने वाली किस्में हैं। एचएयू के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित गेहूं की उन्नत किस्में देश भर में लोकप्रिय हैं। कुलपति ने कहा कि जौ हरियाणा की एक महत्वपूर्ण रबी फसल है। जौ का उत्पादन शुष्क और अर्ध शुष्क जलवायु वाले क्षेत्रों में किया जाता है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त किसानों को बैटरी ऑपरेटिड स्प्रे पम्प व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की उन्नत किस्में देश के खाद्यान्न भण्डार में इजाफा करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	3-4-25	03	2-5

हकृवि में विकसित गेहूं की उन्नत किस्में देशभर में लोकप्रिय : प्रो. बीआर काम्बोज

अनुसूचित जाति के किसानों के लिए हकृवि में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में गेहूं एवं जौ अनुभाग, आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग द्वारा 'किसानों की उपज बढ़ाने के लिए गेहूं एवं जौ कि उन्नत तकनीक' विषय पर अनुसूचित जाति के किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि किसान नवीनतम तकनीकों एवं संसाधनों का उपयोग जरूर करें। उन्नत किस्म के बीजों का चयन, मृदा परीक्षण, सिंचाई प्रबंधन, जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग तथा कीट एवं रोग नियंत्रण जैसी नवीनतम तकनीक अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। शोध एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, इसलिए उन्नत किस्मों के बीज तैयार करने के लिए वैज्ञानिकों को और अधिक मेहनत के साथ कार्य करना होगा। विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक गेहूं की अधिक उत्पादन देने वाली गेहूं की उन्नत किस्में लगातार वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की जा रहीं हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा गत वर्ष के दौरान विकसित की गई 1402 और 1270 देश में सर्वाधिक गेहूं का उत्पादन देने वाली किस्में हैं। उन्होंने कहा कि हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित गेहूं की उन्नत किस्में देश भर में लोकप्रिय हैं। किसानों को भी भी इसका लाभ मिल मिल रहा है। ये किस्में किसानों को पसंद हैं।

हकृवि में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले किसानों के साथ कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज • पीआरओ

किसान सब्जियों, फलों और औषधीय पौधों की खेती से बढ़ाएं आमदनी

कुलपति ने कहा कि जौ हरियाणा की एक महत्वपूर्ण रबी फसल है। जौ का उत्पादन शुष्क और अर्ध शुष्क जलवायु वाले क्षेत्रों में किया जाता है। कम संसाधनों वाले किसानों को पारम्परिक फसलों पर निर्भर न रहने की बजाय सब्जियों, फलों और औषधीय पौधों की खेती अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ानी चाहिए। खेती पर बढ़ती लागत और कम हो रही जोत के दृष्टिगत उपरोक्त फसलें कारगर सिद्ध हो सकती हैं। प्रदेश में जौ का उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त किसानों को बैटरी आपरेटिड स्प्रे पम्प व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

आधुनिक कृषि तकनीकों से कम लागत में अधिक पैदावार लें : डा. पवन कुमार

कुलसचिव डा. पवन कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई गेहूं की उन्नत किस्में देश के खाधान्न भण्डार में इजाफा करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने कहा कि किसानों को प्रशिक्षण देने से खाद्य उत्पादन में और अधिक बढ़ोतरी होगी तथा किसान नवीनतम कृषि तकनीकों का उपयोग करके कम लागत में अधिक पैदावार ले सकेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा गेहूं की विकसित की गई उन्नत किस्मों एवं अनुसंधान कार्यक्रमों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डा. गजराज दहिया ने सभी का स्वागत किया किया जबकि गेहूं एवं जौ अनुभाग के अध्यक्ष डा. करमल सिंह ने धन्यवाद किया। मंच का संचालन डा. ओपी बिश्नोई ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	3-4-25	02	6-7

किसानों के लिए हकृवि में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले किसानों के साथ।

हिसार, 2 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में गेहूं एवं जौ अनुभाग, आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग द्वारा 'किसानों की उपज बढ़ाने के लिए गेहूं एवं जौ कि उन्नत तकनीक' विषय पर अनुसूचित जाति के किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसान नवीनतम तकनीकों एवं संसाधनों का उपयोग जरूर करें। उन्नत किस्म के बीजों का चयन, मृदा परीक्षण, सिंचाई प्रबंधन, जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग तथा कीट एवं रोग नियंत्रण जैसी नवीनतम तकनीक अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक गेहूं की अधिक उत्पादन देने वाली गेहूं की उन्नत किस्में लगातार वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की जा रहीं हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा गत वर्ष के दौरान विकसित की गई 1402 और 1270 देश में सर्वाधिक गेहूं का उत्पादन देने वाली किस्में हैं। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त किसानों को बैटरी ऑपरेटिड स्प्रे पम्प व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने विश्वविद्यालय द्वारा गेहूं की विकसित की गई उन्नत किस्मों एवं अनुसंधान कार्यक्रमों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	3-4-25	10	5-8

हकृवि द्वारा विकसित गेहूं की उन्नत किस्में देश भर में लोकप्रिय : प्रो. काम्बोज

अनुसूचित जाति के किसानों के लिए हकृवि में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले किसानों के साथ।

हिसार, 2 अप्रैल (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में गेहूं एवं जौ अनुभाग, आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग द्वारा 'किसानों की उपज बढ़ाने के लिए गेहूं एवं जौ कि उन्नत तकनीक' विषय पर अनुसूचित जाति के किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि किसान नवीनतम तकनीकों एवं संसाधनों का उपयोग जरूर करें। उन्नत किस्म के बीजों का चयन, मृदा परीक्षण, सिंचाई प्रबंधन, जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग तथा कीट एवं रोग नियंत्रण जैसी नवीनतम तकनीक अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। शोध एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, इसलिए उन्नत किस्मों के बीज तैयार करने के लिए वैज्ञानिकों को और अधिक मेहनत के साथ कार्य करना होगा। विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक गेहूं की अधिक उत्पादन देने वाली गेहूं की उन्नत किस्में लगातार वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की जा रहीं हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा गत वर्ष के दौरान विकसित की गई 1402 और 1270 देश में सर्वाधिक गेहूं का उत्पादन देने वाली किस्में हैं। उन्होंने कहा कि हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित गेहूं की उन्नत किस्में देश भर में लोकप्रिय हैं।

कुलपति ने कहा कि जौ हरियाणा की एक महत्वपूर्ण रबी फसल है। जौ का उत्पादन शुष्क और अर्ध शुष्क जलवायु वाले क्षेत्रों में किया जाता है। कम संसाधनों वाले किसानों को पारम्परिक फसलों पर निर्भर न रहने की बजाय सब्जियों, फलों और औषधीय पौधों की खेती अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ानी चाहिए। खेती पर बढ़ती लागत और कम हो रही जोत के दृष्टिगत उपरोक्त फसलें कारगर सिद्ध हो सकती हैं। प्रदेश में जौ का उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त किसानों को बैटरी ऑपरेटिड स्प्रे पम्प व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई गेहूं की उन्नत किस्में देश के खाद्यान्न भण्डार में इजाफा करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि किसानों को प्रशिक्षण देने से खाद्य उत्पादन में और अधिक बढ़ोतरी होगी तथा किसान नवीनतम कृषि तकनीको का उपयोग करके कम लागत में अधिक पैदावार ले सकेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा गेहूं की विकसित की गई उन्नत किस्मों एवं अनुसंधान कार्यक्रमों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया ने सभी का स्वागत किया किया जबकि गेहूं एवं जौ अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद किया।मंच का संचालन डॉ. ओपी बिश्नोई ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	3-4-25	11	4-5

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले किसानों के साथ।

किसान नवीनतम तकनीकों एवं संसाधनों का उपयोग जरूर करें : प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में गेहूं एवं जौ अनुभाग, आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग द्वारा 'किसानों की उपज बढ़ाने के लिए गेहूं एवं जौ कि उन्नत तकनीक' विषय पर अनुसूचित जाति के किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि किसान नवीनतम तकनीकों एवं संसाधनों का उपयोग जरूर करें। उन्नत किस्म के बीजों का चयन, मृदा परीक्षण, सिंचाई प्रबंधन, जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग तथा कीट एवं रोग नियंत्रण जैसी नवीनतम तकनीक अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक गेहूं की अधिक उत्पादन देने वाली गेहूं की उन्नत किस्में लगातार वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की जा रहीं हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा गत वर्ष के दौरान विकसित की गई 1402 और 1270 देश में सर्वाधिक गेहूं का उत्पादन देने वाली किस्में हैं। उन्होंने कहा कि हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित गेहूं की उन्नत किस्में देश भर में लोकप्रिय हैं। कुलपति ने कहा कि जौ हरियाणा की एक महत्वपूर्ण रबी फसल है। जौ का उत्पादन शुष्क और अर्ध शुष्क जलवायु वाले क्षेत्रों में किया जाता है। कम संसाधनों वाले किसानों को पारम्परिक फसलों पर निर्भर न रहने की बजाय सब्जियों, फलों और औषधीय पौधों की खेती अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ानी चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त किसानों को बैटरी ऑपरेटिड स्प्रे पम्प व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई गेहूं की उन्नत किस्में देश के खाधान्न भंडार में इजाफा करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	3-4-25	06	7-8

दैनिक भास्कर

शकरकंदी की खेती के लिए हल्की दोमट मिट्टी उत्तम, इसी माह खेत तैयार कर लें

1 एकड़ में करीब 40 किग्रा बीज डालें, 45 दिन में बेल तैयार होंगी

यशपाल सिंह | हिसार

शकरकंदी की खेती के लिए हल्की दोमट मिट्टी अच्छी होती है। इसके लिए खेत को तैयार करें। शकरकंदी की बेलों की तैयारी के लिए अप्रैल माह अनुकूल है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि पूसा लाल व पूसा सफेद किस्मों को प्रयोग में लें। 1 एकड़ के लिए लगभग 40 किलोग्राम मध्यम आकार के कंदों की आवश्यकता होती है जिनका वजन 125 से 150 ग्राम तक होता है। लगभग 45 दिनों के भीतर इन कंदों से बेलें रोपाई के लिए तैयार हो जाती हैं। रोपाई के लिए खेत तैयार करते समय 10 टन गोबर की खाद, 32 किलोग्राम नाइट्रोजन, 36 किलोग्राम

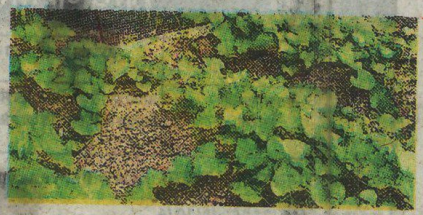

फास्फोरस तथा 32 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़ की दर से रोपाई से पहले खेत में दें। रोपाई के लिए उपयुक्त समय जून-जुलाई होता है। कतारों में 50-60 सेंटीमीटर की दूरी पर बेलों को लगाएं व पौधे से पौधे की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें। बेल लगाते समय ध्यान रखें कि ऊपर और नीचे की दोनों गांठें दबी हों। रोपाई के समय खेत में उचित नमी होनी चाहिए। उसके बाद 1 से 2 सप्ताह तक सिंचाई करनी चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	3-4-25	02	3-4

कपास के लिए पंजाब, हरियाणा और राजस्थान मिलकर काम करेंगे

किसानों को कपास के प्रति जागरूक किया जाएगा

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कपास को लेकर तीन राज्यों के कृषि अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों की बैठक हुई। जिसमें पंजाब, हरियाणा व राजस्थान के कृषि अधिकारियों ने फैसला लिया कि कपास पर संयुक्त तौर पर काम करेंगे। तीनों राज्यों के कृषि विश्वविद्यालय मिलकर एडवाइजरी जारी करेंगे।

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर कांबोज की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि तीनों राजस्थान, पंजाब व हरियाणा तीनों प्रदेश की कृषि यूनिवर्सिटी मिलकर काम करेंगी। जिसमें तीनों यूनिवर्सिटी हर 15 दिन में एक बार एडवाजरी जारी करेंगी। तीनों आपस में कपास को लेकर हो रही सभी गतिविधियों को सांझा करेंगे। सिरसा स्थित कॉटन रिसर्च सेंटर भी मिलकर काम करेंगे।

पंजाब, हरियाणा व राजस्थान की तीनों यूनिवर्सिटी हर 15 दिन में एक बार एडवाजरी जारी करेंगी

कृषि अधिकारियों ने कहा कि 1 अप्रैल से कपास की बिजाई का समय शुरू होता है। किसानों को कपास के प्रति जागरूक किया जाएगा।

पिछले साल कपास का एरिया काफी कम हो गया था। कपास में आ रही बीमारियों के कारण यह एरिया घटा था। अब विभाग किसानों को कपास के बीजोपचार से लेकर उसके फसल तैयार होने तक पूरी जानकारी उपलब्ध कराएगा। किसानों को बताया कि जाएगा कि किस समय पर कौन का कार्य करना है। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के लिए कपास बेहद महत्वपूर्ण फसल है। किसानों की सभी समस्याओं का समाधान करना कृषि वैज्ञानिकों का दायित्व है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	02.04.25	--	--

हकृवि द्वारा विकसित की गेहूं की उन्नत किस्में देश भर में लोकप्रिय : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'किसानों की उपज बढ़ाने के लिए गेहूं एवं जौ कि उन्नत तकनीक' विषय पर अनुसूचित जाति के किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने कहा कि किसान नवीनतम तकनीकों एवं संसाधनों का उपयोग जरूर करें। उन्नत किस्म के बीजों का चयन, मृदा परीक्षण, सिंचाई प्रबंधन, जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग तथा कीट एवं रोग नियंत्रण जैसी नवीनतम तकनीक अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। शोध एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, इसलिए उन्नत किस्मों के बीज तैयार करने के लिए वैज्ञानिकों को और अधिक मेहनत के साथ कार्य करना होगा। विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक गेहूं की अधिक उत्पादन देने वाली गेहूं की उन्नत किस्में लगातार वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की जा रहीं हैं।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा गत वर्ष के दौरान विकसित की गई 1402 और 1270 देश में सर्वाधिक गेहूं का उत्पादन देने वाली किस्में हैं। उन्होंने कहा कि हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित गेहूं की उन्नत किस्में देश भर में लोकप्रिय हैं। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त किसानों को बैटरी ऑपरेटिड स्प्रे पम्प व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई गेहूं की उन्नत किस्में देश के खाधान्न भण्डार में इजाफा करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि किसानों को प्रशिक्षण देने से खाद्य उत्पादन में और अधिक बढ़ोतरी होगी तथा किसान नवीनतम कृषि तकनीको का उपयोग करके कम लागत में अधिक पैदावार ले सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	02.04.25	--	--

हकृवि से जुड़कर युवा बन रहे हैं उद्यमी : प्रो. काम्बोज

हकृवि के एबिक द्वारा इस वर्ष चयनित 8 स्टार्टअप्स को 1 करोड़ 6 लाख की ग्रांट दी जाएगी

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 2 अप्रैल : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के एग्री स्टार्टअप्स हेतु भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से 8 स्टार्टअप्स के लिए एक करोड़ छः लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में चयनित स्टार्टअप्स और एबिक के बीच एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस अनुदान राशि से स्टार्टअप सीधा किसानों से कच्चा माल खरीदकर व मूल्य संवर्धन करके अपने उत्पाद को उपभोक्ताओं तक पंहुचाएंगे जिससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी। यह ग्रांट स्टार्टअप्स द्वारा विकसित की गई नई तकनीक को बाजारीकरण करने में अहम योगदान देगी, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर प्राप्त होगें। उन्होंने बताया कि हकृवि से जुड़कर युवा उद्यमी बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह सेंटर बैंक से लोन, इन्वेस्टर से फैडिंग, मार्केटिंग, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी सहायता और किसान मेले के माध्यम से स्टार्टअप की टेक्नोलॉजी को प्लेटफॉर्म देने में भरपूर सहयोग करता है। उन्होंने स्टार्टअप से पूरी लगन से अपने व्यापार को आगे बढ़ने का आह्वान किया ताकि देश के नौजवान उनसे प्रेरित होकर अपना स्टार्टअप खड़ा कर सकें। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवाओं, किसानों, विद्यार्थियों को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए एबिक से जरूर प्रशिक्षण लेना चाहिए। जिन स्टार्टअप्स को राशि दी गई है उनमें जितेंद्र कुमार -गुरु ड्रोन एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड को 25 लाख रुपए, दीपिका अहलावत -नूको एक्सपर्ट प्राईवेट लिमिटेड 20 लाख रुपए, स्वाति शर्मा -पार्थवी आर्गेनिक विजन प्राईवेट लिमिटेड को 15 लाख रुपए, विरेन्द्र सिंह -विएमडबल्यू न्यूटरास्यूटिकल प्राइवेट लिमिटेड को 15 लाख रुपए, अंकित सिंह अहलावत औराप्लेनेट फूड प्राईवेट लिमिटेड 15 लाख रुपए, नरेश कुमार गऊपैथी उद्योग प्राईवेट लिमिटेड 6 लाख रुपए, प्रदीप दुहन औरिक ईनिशिएटिव हिसार एलएलपी को 5 लाख रुपए तथा सज्जन जाखड़ वीलबरी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड को 5 लाख रुपए दिए जाएंगे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु व राहुल उपस्थित रहे।